राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार,16 मई2020 वर्ष–2, अंक –73 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नमकीन गढ्ढों से ढकी हुई है मंगल ग्रह की सतह, कम तापमान में मानव जीवन संभव नहीं

लंदन (ईएमएस)। मंगल ग्रह को लेकर हुए ताजा रिसर्च से पता चला है कि उसकी पूरी सतह नमकीन गढ्ढों से ढकी हुई है। हालांकि, इन गढ्ढों का तापमान इतना कम है कि वहां मानव जीवन संभव नहीं है। हाल में ही मंगल की सतह पर बर्फ और भाप के रूप में पानी की खोज की गई है। यहां पानी तरल के रूप में नहीं है क्योंकि वातावरण न होने से पानी भाप बनकर उड़ जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, मंगल की मिट्टी में मौजूद एक विशेष प्रकार का नमक ग्रह के पतले वायुमंडल से जलवाष्प को रात में खींच सकती है। इससे यह जलवाष्प अत्याधिक ठंडे वातावरण में बर्फ बनने से बच सकता है। यूनिवर्सिटीज़ स्पेस रिसर्च एसोसिएशन के वैज्ञानिकों ने यह गणना करने के लिए एक कंप्यूटर मॉडल बनाया है। इसकी सहायता से वैज्ञानिक उस तापमान और जलवायु परिस्थितियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे जिसमें जलवाष्प बर्फ न बनकर तरल अवस्था में रहे।

यूनिवर्सिटीज़ स्पेस रिसर्च एसोसिएशन के एडगार्ड रिवेरा, वैलेंटाइन और उनके सहयोगियों ने पाया कि मंगल ग्रह की 40 फीसदी तक की सतह भूमध्य रेखा के नीचे सभी अक्षांशों पर स्थिर नमकीन गढ्ढों को सुरक्षित रख सकते हैं। ये गढ्ढे मंगल ग्रह पर 2 लंबे समय तक टिके रह सकते हैं। नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित पेपर के अनुसार, एक रोवर ने धरती पर मौजूद रोगाणुओं से इन नमकीन गढ्ढों के प्रदूषित होने की जांच भी की थी। जिसका निष्कर्ष निकला कि इससे भी मंगल ग्रह पर मानव जीवन के पनपने की उम्मीद नहीं है।

आंखों के जरिए शरीर में घूस रहा कोरोना वायरस

–अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पता लगाया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। आंखों की कोशिकाओं की सतह पर एसीई–2 नाम के रिसेप्टर पाए जाते हैं, जो किसी कोशिका में संक्रमण का 'गेटवे' समझे जाते हैं। कोरोना का वायरस इन्हीं के जरिए शरीर के अंदर आता है। यह दावा ?किया है अमेरिका की जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने। वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकले ड्रॉपलेट्स स्वस्थ इंसान की आंखों की सतह पर पहुंचते हैं, तो वहां से वायरस शरीर में घुस सकता है। इसी कारण से कोरोना के शिकार कई मरीजों में आंखें लाल दिखीं। आंसुओं से भी यह वायरस फैल सकता है। इससे पहले यूनिवर्सिटी ऑफ हांग कांग के शोध से पता चला है ?कि आंखें इंसान के शरीर कोरोना वायरस के घुसने का बड़ा स्रोत बन गई हैं।

शोध के मुताबिक सार्स और बर्ड फ्लू की तुलना में कोरोना वायरस मुंह, नाक और आंखों से 100 गुना ज्यादा तेजी से शरीर में घुस रहा है। प्रयोगशाला में हुई जांच में पता चला है कि कोविड–19 के वायरस का लेवल सार्स की तुलना में इंसान को आंखों से ज्यादा तेजी से संक्रमित कर रहा है। लांसेट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर माइकल चान की टीम उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने इस बात के सबूत पाए हैं कि कोरोना वायरस आंखों से इंसान के शरीर में घुस रहा है। डॉक्टर चान ने बताया कि उनकी टीम ने हमने इंसान की श्वसन प्रणाली और आंखों की कोशिकाओं की जांच की। हमने पाया कि सार्स–कोव–2 वायरस इंसान की आंख और ऊपरी श्वसन तंत्र के रास्ते सार्स और बर्ड फ्लू से भी ज्यादा तेजी से संक्रमित कर रहा है। संक्रमण की यह दर 80 से 100 गुना ज्यादा है।' उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि आंखों और श्वसन तंत्र से कोरोना वायरस सार्स की तुलना में ज्यादा तेजी से लोगों को अपना शिकार बना रहा है। चान ने कहा कि शोध से यह भी पता चला है कि आंखें कोरोना वायरस के इंसान में संक्रमण का एक बड़ा स्रोत हैं। इस शोध में लोगों को सलाह दी गई है कि वे अपनी आंखों को न छूएं और थोड़े–थोड़े अंतराल पर अपने हाथों को साबुन से धोते रहें। इससे पहले हांग कांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया था कि कोरोना वायरस स्टील, प्लास्टिक और जमीन पर 7 दिनों तक जिंदा रह सकता है। बता दें कि अमेरिका में 81 हजार लोगों की कोविड–19 से मौत हो गई है और 13,85,834 लोग इस महामारी से संक्रमित हैं। दुनियाभर में 2 लाख 87 लोगों लोग कोरोना वायरस से मारे गए हैं।

कोमा से निकलते ही मिली पत्नी की मौत की खबर, सदमे में टूटी सांसे

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में कोरोना वायरस की वजह से पति–पत्नी की मौत की दुखद खबर सामने आई है। दरअसल, यहां के मेरिलैंड में एक नर्सिंग होम में काम करने वाले 69 वर्षीय लॉरेंस नोक्स को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हॉ. स्पिटल में भर्ती किया गया था। इस दौरान वे कोमा में चले गए।

10 अप्रैल को कोमा से बाहर आने पर उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी मिनेट नोक्स के बारे में पूछा।

पहले डॉक्टर और उनके परिवार वाले पहले सच बताने में झिझक रहे थे, लेकिन जब नोक्स परेशान होने लगे तो उन्हें सच बताया गया।

उनकी बेटी ने बताया कि लॉरेंस के अस्पताल जाने के बाद मिनेट की 7 अप्रैल को उनके 72 वें जन्मदिन से एक दिन पहले दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

उनकी मौत के बाद जब जांच की गई, तो पता चला कि वह कोरोना पॉजिटिव थीं।

लॉरेंस को जब पत्नी की मौत की का पता चला, तो उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

उनकी हालत इतनी बिगड़ती चली गई कि पत्नी मिनेट की मौत के आठ दिन बाद उनकी भी मौत हो गई।

उनकी बेटी ने बताया पापा बहुत टूट चुके थे। वह मां से बहुत प्यार करते थे। उन्होंने उनके लिए सब कुछ किया, इसलिए उनके गुजरने का उन पर बहुत बुरा असर पड़ा।

कोरोना वायरस संक्रमण में चीन से आगे निकला भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने कोरोना वायरस संक्रमण में चीन को पीछे छोड़ दिया है। भारत में शुक्रवार को रात 10 बजे तक कोरोना वायरस संक्रमण से पीड़ित 85,546 मरीजों का पता चला। इनमें से 2746 की मौत हो चुकी है और 30,089 ठीक हो गए हैं।

भारत में अकेले महाराष्ट्र में 29,100 संक्रमित मिले हैं इनमें से 1068 की मौत हो चुकी है, 6564 ठीक हो चुके हैं। मह. ानगरी मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के 17,671 मामले हैं जिनमें से 655 की मौत हो चुकी है और 2944 ठीक हो चुके हैं।

तमिलनाडु अब दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को यहां संक्रमण के 434 नए मामले सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या 10,108 हो गई। इनमें से 71 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 359 ठीक हो चुके हैं। गुजरात में भी शुक्रवार को 340 नए मामले सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 9932 हो गई। इनमें से 606 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4035 स्वस्थ हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोनावायरस का संक्रमण 8895 लोगों तक पहुंच चुका है। शुक्रवार को यहां संक्रमण के 425 नए मामले सामने आए। दिल्ली में इस बीमारी से 123 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3518 ठीक हो चुके हैं। राजस्थान में कोरोनावायरस पीड़ित मरीजों की संख्या में शुक्रवार को 154 का इजाफा हो गया और अब तक यहां 4686 संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से 125 की मौत हो चुकी है, जबकि 2677 ठीक हो चुके हैं। मध्यप्रदेश में कोरोनावायरस पीड़ितों की संख्या शुक्रवार को 169 बढ़कर 4595 पर पहुंच गयी, जिनमें से 239 की मौत हो चुकी है और 2283 ठीक हो चुके हैं। इस प्रकार इन 6 राज्य में 63318 मामले हैं जो कि देश के कुल संक्रमित मरीजों का 74.01: है। संक्रमण के मामले में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, कर्नाटक, बिहार, और जम्मू–कश्मीर जैसे राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इन राज्यों में 21,206 कोरोनावायरस संक्रमित मरीज मिले हैं जो कि देश के कुल संक्रमित मरीजों का 24.68 प्रतिशत है। इस प्रकार देखा जाए तो 1000 से ऊपर संक्रमण वाले 14 राज्यों में 98.79 प्रतिशत मरीज मिले हैं। बाकी राज्यों में मरीजों की संख्या चिंतनीय नहीं है। केरल जैसे कुछ राज्यों में संक्रमण की दर बहुत धीमी हो चुकी है। अनेक राज्य ऐसे हैं जहां पिछले 2 सप्ताह से कोई संक्रमण नहीं मिला है। वहीं अनेक राज्यों में इकाई की संख्या में संक्रमित मिल रहे हैं।

जिन 14 राज्यों में कोरोनावायरस सबसे तेजी से फैल रहा है वह देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य हैं।

कोरोना पीड़ितों को भर्ती नहीं कर रहे हैं निजी अस्पताल : किरीट सोमैया

मुंबई (ईएमएस)। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या 27 हजार के आंकड़े को पार कर गई है और एक हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। महामारी से निपटने में उद्धव सरकार का पूरा अमला लगा है, लेकिन अव्यवस्थाओं को भी आरोप लग रहा है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों को भर्ती न किए जाने का आरोप लगाया है। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को लिखे खत में किरीट सोमैया ने कहा, 'कल शाम मैंने और डॉक्टरों ने 6 निजी कोविड अस्पतालों में 4 मरीजों को भर्ती कराने की कोशिश की, लेकिन किसी ने उन्हें भर्ती नहीं किया। दो मरीज मुलुंड के थे और दो मरीज सिओन के। निजी अस्पतालों ने कहा कि वे हाउस फुल हैं और कोई बेड नहीं है।'

किरीट सोमैया ने कहा, 'मैं मुलुंड, चेंबुर, पवई, सिओन, परेल के निजी कोविड अस्पतालों में मरीजों को भर्ती कराने की कोशिश की। भर्ती नहीं किए जाने पर मैंने स्वास्थ्य मंत्री को खत लिखा। इस खत के द्वारा उन्हें इस महत्वपूर्ण मामले में दखल देकर समस्या का हल करने की अपील की गई।' इससे पहले किरीट सोमैया ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें अस्पताल से एक मरीज छलांग लगाता दिखाई दे रहा है। किरीट सोमैया ने दावा किया था कि यह वीडियो मुंबई स्थित सायन अस्पताल का था। किरीट सोमैया ने अपने ट्वीट में लिखा था, 'सायन हॉस्पिटल में कोरोना वार्ड 5 का एक और वीडियो। कोरोना वायरस से पीड़ित एक मरीज 3 मई की रात 9.25 बजे खिड़की से कूद गया। बाद में गार्डों ने उसे वापस लाया। यह वही वार्ड है, जहां शवों को मरीजों के साथ रखा गया था। वाह रे ठाकरे सरकार।'

लाउडस्पीकर से अजान पर पाबंदी को हाईकोर्ट ने ठहराया सही, कहा–यह इस्लाम का हिस्सा नहीं

प्रयागराज (ईएमएस)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को अजान के समय लाउडस्पीकर के प्रयोग पर प्रतिबंध वैध करार दिया है। किसी भी मस्जिद से लाउडस्पीकर से अजान दूसरे लोगों के अधिकारों में हस्तक्षेप करना है। इलाहाबाद हाई कोर्ट अजान के समय लाउडस्पीकर के प्रयोग से सहमत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अजान इस्लाम का अहम हिस्सा है, लेकिन लाउडस्पीकर से अजान इस्लाम का हिस्सा नहीं है। कोर्ट ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण मुक्त नींद का अधिकार जीवन के मूल अधिकारों का हिस्सा है। किसी को भी अपने मूल अधिकारों के लिए दूसरे के मूल अधिकारों का उल्लंघन करने का अधिकार नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह निर्णय गाजीपुर से बहुजन समाज पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी की अजान पर रोक के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। गाजीपुर से बसपा के सांसद अफजाल अंसारी ने जिलाधिकारी के मस्जिदों मे लाकडाउन के दौरान अजान पर लगायी रोक के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट मे याचिका दाखिल की थी। गाजीपुर के साथ ही हाथरस और फर्रुखाबाद की मस्जिदों में अजान पर लगी रोक को हटाने के लिए याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने मस्जिदों से अजान की अनुमति दी है, लेकिन लाउडस्पीकर से अजान की अनुमति नहीं दी गई है।

गाजीपुर की मस्जिदों में अजान पर रोक के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गाजीपुर के डीएम के आदेश को रद करते हुए मस्जिदों से लाउडस्पीकर के बगैर अजान की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मस्जिदों में अजान से कोविड–19 की गाइडलाइन का कोई उल्लंघन नहीं होता। हाई कोर्ट अजान के समय लाउडस्पीकर के प्रयोग से सहमत नहीं है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर से अजान पर रोक को वैध माना है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को आदेश का सभी जिलाधिकारियों से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकान्त गुप्ता तथा न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने अफजाल अंसारी व फर्रुखाबाद के सैयद मोहम्मद फैजल की याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिया है।

कोविड–19 को लेकर भारत में मुस्लिमों के विरुद्ध बयानबाजी अनुचितः अमेरिकी राजनयिक

वाशिंगटन (ईएमएस)। वैश्विक महामारी कोविड19 को लेकर अमे. रिका के एक वरिष्ठ राजनयिक बीमारी के संक्रमण के संबंध में भारत में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ 'बयानबाजी और उनके उत्पीड़न' को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें अमेरिका ने देखी हैं और फर्जी खबरों एवं सोशल मीडिया पर गलत जानकारियों की वजह से ऐसी घटनाएं बढ़ गई हैं। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिका के विशेष दूत सैम ब्रॉउनबैक ने वैश्विक महामारी के अप्रत्याशित रूप से फैलने के बीच एकजुटता बनाए रखने की वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के बयान की प्रशंसा भी की।

ब्राउनबैक दुनियाभर के अल्पसंख्यक समुदाय पर कोविड–19 के प्रभाव को लेकर संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान कहा, 'हमने भारत में कोविड–19 के संबंध में खास तौर पर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बयानबाजी और प्रताड़ना से जुड़ी खबरें देखीं है। सोशल मीडिया पर साझा की जा रहीं गलत जानकारियों और फर्जी खबरों की वजह से ये और बढ़ी हैं। ऐसी कई घटनाएं हुईं, जब कोरोना वायरस संक्रमण फैलाने का आरोप लगाकर मुस्लिमों पर हमले किए गए।' अमेरिकी अधिकारी ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे पर कहा, 'हालांकि भारत के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एकता की अपील से जुड़े बयानों से हमारा (भारत पर) भरोसा बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने भी कहा कि कोविड–19 धर्म, भाषा, सीमा नहीं देखता, जो कि निश्चित तौर पर सही है।'

भारत ने कोरोना वायरस फैलने के संबंध में देश में मुस्लिमों को प्रताड़ित करने संबंधी कुछ सोशल मीडिया पोस्ट को खारिज करते हुए इसे 'दुष्प्रचार' करार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने पिछले महीने कहा था, 'आपने जो देखा है, उनमें से अधिकतर अपना हित साधने वाले पक्षों का किया दुष्प्रचार है। किसी भी ट्वीट को उठाकर उनसे इन देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को परिभाषित नहीं किया जा सकता है।' उनका यह बयान ऐसे समय में आया था, जब अरब देशों के कई मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और हस्तियों ने ट्वीट करके ये आरोप लगाए थे कि भारत में कोविड–19 महामारी फैलाने के लिए मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी तरह के उत्पीड़न की निंदा करते हुए कहा था कि कोविड–19 का असर सब पर समान है और वह हमला करने से पहले नस्ल, धर्म, रंग, जाति, और सीमा नहीं देखता।

जीबी रोड बन सकता है कोरोनो इनक्यूबेटर – जूडिशियल कॉउन्सिल

नई दिल्ली : (न्यूज़ वार्ता) मानवाधिकारों के संरक्षण तथा उनके हित में कार्यरत जूडिशियल कॉउन्सिल ने दिल्ली के रेड लाइट एरिया में रह रही हजारों सेक्स वर्कर्स जिनकी सरकार नें सुध नहीं ली है के मद्दे नजर चिंता जाहिर की जूडिशियल कॉउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री के मुताबिक जीबी रोड के वेश्यालय अपनी अमानवीयता के लिए बदनाम हैं, अमानवीय तरीके से डिब्बनुमा कमरों में पूरा दिन बंद की सुध सिर्फ कुछ गैर सरकारी संगठन ने ली थी पर यह कोई स्थायी उपाए नहीं , एक ओर कोरोना से लड़ने में सोशल डिस्टेंसिंग को कोरोनो वायरस से लड़ने का हथियार बताया जा रहा है वहीँ कोठरी नुमा छोटे छोटे कमरों में रहनें को मजबूर हैं हजारों सेक्स वर्कर्स, जिसको सीधे तौर से कोरोना कोविड19 इनक्यूबेटर के रूप में देखा जा सकता है । श्री अग्निहोत्री नें कहा कोरोना महामारी इस वक्त भयावह रूप ले चुकी है जीबी रोड में रह रही महिलाएं किस स्थिति में रह रही हैं इसका अनुमान हर व्यक्ति लगा सकता है इसी के मद्दे नज़र यह जरूरी है की सरकार हर सेक्स वर्कर्स का कोरोना टेस्ट कराए क्यों की बहुत सी महिलायें जो भुखमरी की कगार पर हैं, वह अगर कोरोना पॉजिटिव हुई और किसी ग्राहक के संपर्क में आयीं तो इसकी चेन बहुत लम्बी बनेगी और यह विस्फोट रोकना मुश्किल हो जायेगा । श्री अग्निहोत्री नें बताया , सिर्फ एन जी ओ तथा कुछ पुलिस वालों ने सहायता की है, लॉकडाउन के कारण इनका काम पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है कुछ सेक्स वर्कर्स के बच्चे भी यहीं पर रहते हैं । मौजूदा परिस्थितयों ने न सिर्फ दिल्ली में अपितु मुंबई ,कोलकाता रेड लाइट एरिया में भी इनका कोरोना टेस्ट प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए । आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के जी बी रोड में लगभग तीन से साढ़े तीन हजार तक रहती हैं सेक्स वर्कर्स लॉकडाउन में घर में बंद रहने को मजबूर हैं , न्यूज़ वार्ता के संवादाता से बातचीत के दौरान श्री अग्निहोत्री नें बताया भारत में देह व्यापार पर प्रतिबंध लगा हुआ है । जिस तरह की परिस्तिथियाँ बनी हुई हैं , इन से उबरने में अभी काफ़ी वक्त लगेगा और देह व्यापार जिसकी कोई सरकारी मान्यता नहीं है ,सरकार को मानवता के नाते इनको आर्थिक मदद भी करनी चाहिए उन्होंने बताया की उन्होंने स्वाथ्य मंत्री भारत सरकार डॉक्टर हर्ष वर्धन, दिल्ली के उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल मुख्य मंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा को दिनांक 19 मई ईमेल द्वारा पत्र भेज कर तथा ट्वीटर पर ट्वीट आग्रह किया की इनका कोरोना टेस्ट कराए, क्यों की सेक्स वर्कर्स और उनके बच्चों को मूलभूत स्वास्थ्य की सुविधा लेने में भी तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।

केरल के 3 जिलों में यलो चेतावनी, 5 जून तक मॉनसून की उम्मीद

कोच्चि (ईएमएस)। मई का आधा महीना गुजर चुका है और गर्मी का तपिश जारी है ऐसे में मौसम विभाग ने केरल के तीन जिलों– अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की में शुक्रवार को यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें बिजली की गरज के साथ तेज रफ्तार हवाओं के चलने का अलर्ट जारी हुआ है। कुछ जगहों पर बारिश की भी संभावना है। इसके साथ ही 5 जून को मॉनसून आने की उम्मीद भी जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग की तरफ से आज दोपहर जारी स्टेटमेंट के अनुसार केरल में दक्षिण–पश्चिम मॉनसून 5 जून तक पहुंच सकता है। इसके 4 दिन आगे या पीछे रहने की संभावना है। पिछले साल भी केरल में एक जून की डेट से 5 दिन बाद 6 जून को मॉनसून आया था।

विभाग के अनुसार मलप्पुरम, थ्रिसूर, पलक्कड में कुछ जगहों पर सामान्य बारिश होने की संभावना है। वहीं लक्षद्वीप में भी कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी अंडमान सागर में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। अगले 12 घंटों में यह डिप्रेशन बन जाएगा। ऐसे में 16 मई की शाम को इसके चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय मोहपात्रा ने बताया, 'निम्न दबाव की वजह से 18 मई को ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। 19 और 20 मई को पश्चिम बंगाल में भी बारिश की उम्मीद है। कुछ स्थानों पर तो भारी बारिश हो सकती है।'

अमेरिका ने दी एच–1बी वीजाधारक चिकित्सकों को टेलीमेडिसिन से सलाह देने की इजाजत

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कोरोना वायरस महामारी के कारण स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एच–1बी कार्य वीजाधारक चिकित्सकों को टेली मेडिसिन से सलाह देने और स्थानीय अस्पतालों में मदद करने की इजाजत दी है। अमेरिका में कोविड–19 संक्रमण के करीब 14.5 लाख मामलों की पुष्टि हो चुकी है और 86,000 से अधिक लोगों की मौत हुई हैं। अमेरिकी नागरिकता एवं अप्रवासन सेवा (यूएससीआईएस) ने कोविड–19 महामारी के दौरान चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए टेलीमेडिसिन से सलाह देने और स्थानीन अस्पतालों में मदद करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

एच–1बी वीजा एक गैर–आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को कुछ खास व्यवसायों में, जहां सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, स्नातक स्तर के श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। इससे पहले कुछ विधि विशेषज्ञों ने कहा था कि एच–1बी वीजाधारक चिकित्सों को कोरोना वायरस महामारी के दौरान सहायता की अनुमति देनी चाहिए, जिसके बाद नए दिशानिर्देश आए हैं। खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं बहुत हद तक एच–1बी वीजा कार्यक्रमों पर निर्भर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कहीं कमजोर ना पड़ जाए संघर्ष

देश में पिछले डेढ़ महीने से लाकडाउन लगा हुआ है। 4 मई से कई तरह की रियायतों के साथ लगातार तीसरी बार दो सप्ताह का लाकडाउन लगाया गया है। तीसरी बार लाकडाउन लागू करने से पहले केंद्र सरकार ने कोरोना संक्रमण के प्रभाव के अनुसार देश को रेड, ऑरेंज व ग्रीन जोन में बांट दिया है। इन जोन में कोरोना के कम ज्यादा प्रभाव के हिसाब से विभिन्न प्रकार की छूट दी गई है।

रेड जोन वाले जिलों को कोरोना संक्रमण की दृष्टि से खतरनाक मानते हुए वहां पूर्ववत जारी बंदिशे यथावत रखी गई है। जबकि ऑरेंज जोन वाले जिलों में कोरोना का कम प्रभाव मानते हुए वहां कई क्षेत्रों में काम करने की छूट दी गई है। इस जोन में कई तरह के सामान वाली दुकानों को खोलने की छूट दी गई है। ऑरेंज जोन में दोपहिया व निजी चार पहिया वाहनों को भी चलने की छूट दी गई है। ग्रीन जोन में आने वाले जिलों को अधिकांश बंदिशों से मुक्त कर दिया गया है। वहां पर निजी वाहनो के साथ ही क्षमता से आधी सवारियों के साथ सार्वजनिक परिवहन वाहनों को भी चलाने की छूट दी गई है। वहां सभी प्रकार की दुकानों, कारखानों, विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य करने की भी छूट दी गई है।

अचानक लाकडाउन लागू होने से देश के विभिन्न स्थानों पर फंसे दूसरे प्रांतों के श्रमिकों, विद्यार्थियों, पर्यटको व अन्य लोगों को वहां से निकालकर उनके घरों तक पहुंचाने के बढ़ते दबाव के चलते केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को आपसी सहमति के आधार पर ऐसे लोगों को उनके घरों घरों तक पहुंचाने की भी छूट प्रदान की है। इसके साथ ही राज्य सरकारों की मांग पर केंद्र सरकार ने 1 मई श्रम दिवस के दिन से निश्चित स्थानों पर श्रमिक विशेष रेल चलाना भी शुरू किया है। जिसके अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए लोगों को रेलगाड़ी के माध्यम से एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश के निर्धारित स्टेशन तक छोड़ने की सुविधा प्रदान की गई है। इसमें दोनों प्रदेशों की राज्य सरकारों की सहमति आवश्यक है। रेल सेवा चलने से काफी संख्या में श्रमिक देश के एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपने घरों तक पहुंच रहें हैं।

केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को आपसी सहमति से लोगों को उनके घरों तक पहुंचाने की छूट के बाद लाखों की संख्या में लोग एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जा रहे हैं। काफी संख्या में लोग श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों, सरकारी व निजी बसों तथा अपने निजी वाहनों से आवागमन कर रहे हैं। इससे पूरे देश में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। दूसरे प्रदेशों में रह रहा हर व्यक्ति इस प्रयास में लगा है कि कैसे भी करके वह अपने घर पहुंचे। इस दौरान कहीं भी सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। लोगों की समुचित रूप से चिकित्सकीय जांच भी नहीं हो पा रही है। इस से कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या में एकाएक काफी अधिक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से कोरोना संक्रमण का खतरा अधिक बढ़ गया है। बहुत से लोग तो अपने निजी वाहनों से अपने घरों तक पहुंच भी गए है। उन्होंने ना तो कहीं सरकारी स्तर पर अपने आने की सूचना दर्ज करवायी है और ना ही अपनी चिकित्सकीय जांच करवाई है।

सरकार द्वारा प्रवासी लोगों को अपने घरों तक जाने की छूट देने से कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए पिछले डेढ़ महीने से जो प्रयास किए जा रहे थे वह कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं। सरकार द्वारा बनाए गए रेड, ऑरेंज, ग्रीन जोन में दी गई छूट से तो पहले ही सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ रही थी। रही सही कसर बाहर से आने वाले लोगों ने पूरी कर दी है। शराब ठेकों पर शराब की बिक्री की छूट देने से सरकारी नियमों का खुलकर उल्लघंन हो रहा है। देश भर में शराब के ठेकों पर लगी लंबी–लंबी कतारें सरकारों को मुंह चिढ़ा रही है। मगर राजस्व अर्जन के चक्कर में सरकार शराब ठेकों पर व्याप्त अव्यवस्थाओं को नजर अंदाज कर रही है।

लोकडाउन के प्रथम दो चरणों में सरकार ने कोरोना संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा लिया था। मगर लॉकडाउन के तीसरे चरण में देश में बनाये गये तीन तरह के जोन व उन में दी जा रही छूट के कारण सरकार व जनता द्वारा अब तक की गई पूरी मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। सरकार द्वारा दी गई छूट का लोग दुरुपयोग कर रहे हैं। लाकडाउन में रियायतें देने से लोग कोरोना को लेकर लापरवाह हो गए हैं। लागों ने ऐसा मान लिया है कि अब कोरोना का कोई डर नहीं है। इस कारण ना तो फेस मास्क का उपयोग कर रहे हैं और ना ही सोशल डिस्टेंस मेंटेन कर रहे हैं। निजी वाहनों व परिवहन बसों में भी लोग पूरी तरह भर भर कर यात्रा कर रहे हैं। बाजारों में दुकानों पर भारी भीड़ देखी जा सकती है। जहां किसी भी तरह का कोई सोशल डिस्टेंस नहीं रखा जा रहा है।

अन्य प्रदेशों से अपने घरों को लौटे काफी लोग करोना पॉजिटिव निकल रहे हैं। जिसके चलते प्रशासन में घबराहट व्याप्त हो रही है। तेलंगाना सरकार ने तो कोरोना के बढ़ते संक्रमण के खतरे को भांपते हुए ही लाकडाउन को 27 मई तक बढ़ा दिया है। वही राजस्थान सरकार ने तत्काल प्रभाव से प्रदेश की सभी अंतर राज्य सीमा पूरी तरह सील करा दी है।

प्रदेश में बाहर से आने वाले वाहनों को सिर्फ जिला कलेक्टर की संस्तुति पर राज्य सरकार द्वारा जारी पास से ही प्रवेश देने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। यदि अन्य किसी अधिकारी ने दूसरे प्रांतों से आने वाले लोगों को राजस्थान आने का पास जारी कर दिया तो उसके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी। पंजाब सरकार ने भी नांदेड़ से लौटे सिख श्रद्धालुओं में भारी संख्या में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद बाहर से आने वालो के नियमों को कड़ा कर दिया है। वहां कर्फ्यू में दी जा रही छूट को भी कम कर दिया गया है।

इसी तरह गुजरात के अहमदाबाद शहर को आगामी 15 मई तक पूर्णतया सील कर दिया गया है। वहां फल, सब्जी व दवा की दुकानो के अलावा अन्य सभी दुकानों को बंद रखा जायेगा। वहां किसी प्रकार के आवागमन की अनुमति भी नहीं है।

कोरोना का संक्रमण कम होने के बजाय और तेज होता जा रहा है। ऐसे में हमें पहले से ज्यादा सावधानी बरतनी होगी। वरना पिछले डेढ़ महीने से घरों में बंद रहने की हमारी पूरी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। आगे चलकर हो सकता है

कि करोना और ज्यादा भयावह रूप धारण कर ले। तब हमें और अधिक कड़ी पाबंदियां के साथ घरों में रहना पड़ सकता है। इससे अच्छा है कि हम अभी से सरकार द्वारा लगायी गयी पाबंदियो का पालन करें तथा कोरोना को हराने में सरकार का सहयोग करें। तभी हम कोरोना पर काबू पाकर सुरक्षित रह सकते हैं।

(विचार–मंथन)

लॉकडाउन के संकेत

18 मई से शुरू होने वाले लॉकडाउन 4.0 के संकेत मिलने लगे हैं। इस चरण में क्या होगा, क्या नहीं इसकी झलक भर दिखी है। अगर सरकार के संकेत को ही पुख्ता मानें तो इस बार लॉकडाउन सिर्फ हॉटस्पॉट इलाकों तक ही रह सकता है। तीसरा चरण 17 मई को खत्म हो रहा है। बाद की रणनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सहित कई वरिष्ठ मंत्रियों के साथ चर्चा की है। बैठक के दौरान महानगरों में सैनिटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सार्वजनिक परिवहन शुरू करने पर भी सहमति बनी। सरकार सीमित संख्या में रेल सेवा बहाल कर चुकी है और हवाई सेवा भी चालू करने की घोषणा की जा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में रेल सेवा को जल्द ही सामान्य स्तर पर बहाल करने की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया गया। यह भी तय किया गया है कि विभिन्न महानगरों की स्थिति को देखते हुए बस और टैक्सी सेवा शुरू करने की भी इजाजत दी जाए। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में फिर से आत्मनिर्भर बनने और नया दम भरते हुए दुनिया के सामने ताकतवर रूप में उभरने का जो संकल्प दोहराया, उसमें आर्थिक पैकेज की बहुत जरूरत थी। जब कारोबार अपनी सामान्य गति में लौटेगा, तब लौटेगा, पर उसे फिलहाल इस काबिल बनाए रखना जरूरी है कि वह अपने पांवों पर खड़ा रह सके। यह आर्थिक पैकेज उसमें मदद करेगा।

राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया था कि लॉकडाउन को अभी पूरी तरह समाप्त नहीं किया जाएगा। इसका चौथा चरण भी लागू होगा। हालांकि उन्होंने अभी यह स्पष्ट नहीं किया कि इसकी अवधि कितनी लंबी होगी, पर यह संकेत जरूर दे दिया कि इसका रंग–रूप अलग होगा, यानी कुछ लचीला होगा। पिछले दिनों जिस तरह दिल्ली सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि अब हमें कोरोना के साथ ही जीना सीखना होगा, लॉकडाउन को लंबे समय तक जारी नहीं रखा जा सकता, उससे स्वाभाविक ही कयास लगाए जाने लगे थे कि सरकार शायद लॉकडाउन हटा ले।

दरअसल, लॉकडाउन की वजह से कारोबार को काफी बड़ा नुकसान पहुंचा है, अर्थव्यवस्था बिल्कुल चरमरा गई है। ऐसे में तमाम औद्योगिक संगठनों का दबाव था कि कोरोना प्रभावित क्षेत्रों की निशानदेही करते हुए पाबंदियों का दायरा सिकोड़ा जाए और कारोबारी गतिविधियों को शुरू किया जाए। कई राज्य सरकारें भी इसके पक्ष में नजर आ रही थीं। मगर जिस तरह कोरोना संक्रमितों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी दर्ज हो रही है और फिर बड़ी संख्या में श्रमिकों के अपने घरों की ओर लौटने का सिलसिला चल पड़ा है, उससे संक्रमण के गांवों तक फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। ऐसे में राज्य सरकारों के सामने चुनौती बढ़ गई है। इसलिए वे कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं।

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती अपनी जगह है, पर नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व भी आखिर सरकारों पर है, इसलिए इस मोड़ पर पहुंच कर किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं होता। ऐसे में राज्य सरकारों की अपील को अनदेखा नहीं किया जा सकता था। पर किसानों, मजदूरों और लघु, मध्यम तथा मंझोले उद्योगों के लिए बीस लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा कर इन क्षेत्रों को हो रहे नुकसान की भरपाई करने की कोशिश जरूर की गई है।

प्रसंगतः सहयोग की भावना

मदनमोहन मालवीय को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए धन की आवश्यकता थी। इसलिए वह समाज के संपन्न लोगों से मिलकर उनसे इस सत्कार्य में सहयोग की प्रार्थना करते थे। मालवीय जी के एक मित्र उन्हें इसके लिए एक बड़े व्यापारी के घर ले गए। आवाज देने पर सेठ जी ने बैठक का दरवाजा खोला और दोनों अतिथियों को बैठाया। उस वक्त शाम हो जाने के कारण अंधेरा छाने लगा था। बैठक में बिजली नहीं थी, इसलिए सेठ जी ने अपने छोटे बेटे को लालटेन जलाने को कहा। बेटा लालटेन और दियासलाई लेकर आया। उसने माचिस की एक तीली जलाई, परंतु लालटेन तक आते-आते बुझ गई। इस तरह उसने तीन तीलियां बर्बाद कर दीं। इस पर सेठ जी ने लड़के से नाराज होकर कहा, 'तुमने माचिस की तीन तीलियां बर्बाद कर दीं, कितने लापरवाह हो।' यह कहकर सेठ जी जब अंदर गए तो मालवीय जी ने अपने मित्र की ओर देखा, मानो कह रहे हों कि इस सेठ से कुछ पाने की आशा मत करो क्योंकि यह तो इतना कंजूस है कि माचिस की तीन तीलियां नष्ट हो जाने पर लड़के को डांटता है। संकेत में मित्र ने मालवीय जी से सहमति जताई और दोनों बैठक से बाहर निकले। इतने में सेठ जी आ गए। वह चकित होकर बोले, 'अरे! आप चल क्यों दिए? बैठिए, काम तो बताइए।' मालवीय जी के मित्र ने आने का प्रयोजन बताया। सेठ जी ने पचीस हजार रुपये निकालकर रख दिए। मालवीय जी ने सेठ जी से कहा, 'अभी आपने लड़के को माचिस की तीलियां नष्ट होने की वजह से डांटा, जबकि उनका मूल्य नहीं के बराबर है। लेकिन हमें आपने तुरंत पचीस हजार रुपये दे दिए।' सेठ जी हंसकर बोले, 'लापरवाही से छोटी से छोटी वस्तु को भी नष्ट नहीं करना चाहिए। लेकिन किसी शुभ कार्य में हजारों रुपये सहर्ष दे देने चाहिए। दोनों बातें अपनी जगह ठीक हैं। इनमें कोई विरोध नहीं।'

आज का कार्टून।

(विचार–मनन)

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले– यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे– कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

दैनिक पंचांग

16 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	5.13 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	7.15 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.28 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.45 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	13.56 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.07 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.22 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.38 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.43 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कुंभ	00.30 बजे से
		मीन	2.02 बजे से
		मेष	3.33 बजे से

शनिवार 2020 वर्ष का 137 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि नवमी 10.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 11.05 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 02.35 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 10.23 बजे तदनन्तर वणिज 23.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870520
जूलियन दिन 2458985.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लॉफिंग ज़ोन

अध्यापक (शैतान छात्र से), "मैं नालायक को लायक नहीं बना सकता।"

छात्र, "लेकिन मैं बना सकता हूं।"

अध्यापक, "वह कैसे?"

छात्र, "सिर्फ ना हटा कर।"

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति (दूसरे से), "मेरे प्रश्न का उत्तर दीजिए।"

दूसरा, "जी कहिए।"

पहला, "मेरी ऊंचाई छः फुट है, जिस सड़क पर मैं चल रहा हूं, वह दस मील लम्बी है। मैं एक घंटे में एक मील चल सकता हूं। मेरी उम्र क्या होगी?"

दूसरा, "यही पचास वर्ष।"

पहला, "अरे, वाह बिल्कुल ठीक है लेकिन आपको पता कैसे चला?"

दूसरा, "असल में हमारी गली में एक आदमी रहता है। वह ठीक ऐसी ही बातें करता है। आधा पागल है और उसकी उम्र पच्चीस वर्ष की है।"

☺ ☺ ☺

अमन (बंटी से), "प्यारे, अगर मुझे कपिल, सचिन, सौरभ, गावस्कर जैसे बल्लेबाज मिल जाएं तो मैं हर मैच जीत कर दिखा सकता हूं।"

बंटी, "प्यारे मुझे अगर पाकिस्तान के एम्पायर मिल जाएं तो मैं हर मैच जीत कर दिखा दूंगा।"

आज का इतिहास 16 मई

1568 स्काट्स की रानी मेरी ने इंग्लैंड में शरण ली.
1770 मेरी एंटोनियो का विवाह फ्रांस नरेश लुई16वें से हुआ.
1811 निकोलस सोल्ट के नेतृत्व में फ्रांसीसी फौजों को ब्रिटिश फौजों ने अल्बुहेरा में रोक दिया.
1929 हालीवुड में अकादमी पुरस्कारों की शुरुआत हुई थी जिन्हें 1931 में आस्कर नाम दिया गया.
1932 जापान के प्रधानमंत्री सुयोसी इनुकाई की हत्या हुई.
1960 भारत और इंग्लैंड के बीच टेलेक्स सेवा शुरु हुई.
1963 अमरीकी अंतरिक्ष यात्री मार्डन कूपर अंतरिक्ष में 22 चक्कर लगाने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे.
1967 ब्रिटेन के यूरोपीय आर्थिक समुदाय में शामिल होने के मुद्दे पर फ्रांस में वोटो किया.
1969 सोवियत अंतरिक्ष यान शुक्र ग्रह पर उतरा.
1975 सिक्किम भारत का 22वाँ राज्य बना.
1975 जापान की जुंको ताबेई एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला बनी.
1989 लेबनान में कार बम विस्फोट में एक धार्मिक नेता सहित 22 व्यक्ति मारे गए.
1996 अटलबिहारी वाजपेयी व उनके मंत्रिमंडल ने शपथ ली.
2000 सूचना प्रोद्योगिक बिल को संसद में मंजूरी.
2000 रंगमंच व सिने अभिनेता सज्जन का निधन.
2001 मणिपुर में तीन पादरियों की हत्या.
2004 नवीन पटनायक उड़ीसा के पुनः मुख्यमंत्री बने.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

20 जवानों को कोरोना संक्रमण से मुक्ति मिली

नोएडा (ईएमएस)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को समर्पित सीएपीएफ रेफरल हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा से 20 जवानों को कोरोना संक्रमण से मुक्त हो जाने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। ये जवान दिल्ली के अलग–अलग इलाकों में ड्यूटी के दौरान कोरोना से संक्रमित हुए थे। इनमें से 17 आईटीबीपी और 3 बीएसएफ के हैं। इस मौके पर भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल के डायरेक्टर जनरल एसएस देसवाल ने डिस्चार्ज हो रहे जवानों को गुलाब के फूल और आईटीबीपी के कैलेंडर भेंट करके शुभकामनाएं दीं। सभी स्वस्थ जवानों को मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर बधाई दी।

देसवाल ने हॉस्पिटल के कोरोना वारियर्स, सीएपीएफ़ के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस चुना. "तीपूर्ण दौर में केन्द्रीय सशस्त्र बलों के इस हॉस्पिटल ने अपनी क्षमताओं का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए सभी संसाधनों का उपयोग किया है। इन बलों के कोरोना संक्रमितों के इलाज़ में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

इस हॉस्पिटल को आईटीबीपी ने कोविड हॉस्पिटल में परिवर्तित कर दिया है। 200 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में आईटीबीपी, बीएसएफ़, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ और एनएसजी के जवानों और उनके कुछ परिवारों के सदस्यों का इलाज़ चल रहा है। फ़िलहाल यहां 170 संक्रमित भर्ती हैं। अब तक 21 मरीज़ों को कोरोना मुक्त होने पर छुट्टी मिल चुकी है।

यूपी के इस जिले में लॉकडाउन उलंघ्घन में 26 लोग गिरफ्तार.

ईएमएस(अमेठी):लॉक डाउन उल्लंघन के मामले में जिले के अलग–अलग थानों में 26 लोगों की गिरफ्तारी के साथ साथ 7 क्षतिग्रस्त वाहनों को थाने में दाखिल किया गया है। पुलिस अधीक्षक अमेठी डा0 ख्याति गर्ग के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अर्पित कपूर के नेतृत्व में गौरीगंज थाना क्षेत्र में लॉक डाउन का उल्लंघन कर भीड़ लगाने व दो पक्षों द्वारा आमादा फौजदारी की सूचना 36 अभियुक्तों के विरूद्ध नामजद व 20–25 नाम पता अज्ञात के विरूद्ध मामला दर्ज कर 16 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान मौके से मिली 7

क्षतिग्रस्त मोटर साइकिलों को थाने में दाखिल किया गया और इस बाबत थाना गौरीगंज द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है। वही जिले के मुंसीगंज थाना क्षेत्र मे लॉकडाउन का उल्लंघन कर भीड़ लगाने व दो पक्षों द्वारा आमादा फा. "जदारी की सूचना पर पुलिस ने 19 अभियुक्तों के विरूद्ध नामजद व 10–15 अज्ञात के विरूद्ध मामला दर्ज कर 10 लोगो को गिरफ्तार किया है और इस सम्बंध में थाना मुंशीगंज द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

देश के कोने कोने में यह तस्वीर सामने आया हैं, लोगों में बस एक सवाल क्या हम भारत में हैं ?

यह तस्वीर आप को विचलित कर सकते हैं लेकिन यह एक सच्चाई भी हैं जो मजदूरों का दर्द हैं ?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करने पर पति ने पत्नी की हत्या कर शव खेत में फैंका

सूरत के देवढ गांव में एक प्रवासी युवक ने शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करने पर पत्नी की हत्या कर दी और बाद में उसका शव निकट के एक खेत में फैंक दिया । बाद में युवक ने पु. लिस के समक्ष सरैंडर कर दिया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

जानकारी के मुताबिक सूरत के देवढ गांव में प्रवासी युवक अपनी पत्नी के साथ रहता है। लेकिन पत्नी को वह पसंद नहीं था और दोनों के बीच छोटी मोटी बातों को लेकर झगड़ा होता रहताद्य पत्नी ने अपने गृह राज्य बिहार जाना चाहती थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण यह संभव नहीं था। बीते दिन पति ने पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा जाहिर की। लेकिन पत्नी के इंकार से वह भड़क गया और पत्नी को पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया। पत्नी की हत्या के बाद उसका शव निकट खेत में फैंक दिया और पुलिस थाने में हाजिर हो गया। थाने में हाजिर हुए युवक ने बताया कि उसने पत्नी की हत्या कर दी है और उसका शव खेत में फैंक दिया। हत्या की वजह सुनकर पुलिस भी चौंक पड़ी। पुलिस ने खेत से विवाहिता का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और युवक को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

सांप्रदायिक वैमनस्यता फैलाने पर होगी कड़ी कार्रवाई :पुलिस महानिदेशक

अहमदाबाद । राज्य के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने वैश्विक महामारी कोरोना के विकट दौर में सांप्रदायिक वैमनस्यता फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी कच्छ जिले के भुज में एक शख्स रात्रि के दौरान मस्जिद में घुस गया और वहां लगे माइक से वैमनस्यता फैलाने का प्रयास किया। इस शख्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। इससे पहले

भी पश्चिमी कच्छ–मेहसाणा में सोशल मीडिया में सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने के आरोपियों को पासा के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में मुक्ति के फर्जी पास बनाए की घटना सामने आई है। राजकोट में बीते दिन कलेक्टर कचहरी की फर्जी मुहर लगाकर पास बनाने का मामला दर्ज कर 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं सूरत में झारखंड के श्रमिकों को फर्जी पास बनाकर झारखंड भेजने का प्रयास किया गया। शिवानंद झा ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने की कार्यवाही लगातार जारी है और विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। प्रवासी श्रमिकों को पंजीकरण होने के बाद ही उन्हें गृह राज्य भेजा जा रहा है। बीते दिन सूरत, बोटाद और भरुच में हंगामे की घटना का उल्लेख करते हुए झा ने सभी प्रवासी श्रमिकों से धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील कीद्य उन्होंने कहा कि अब भी कई प्रवासी श्रमिक पैद ही अपने गृह राज्य को कूच कर रहे हैं। ऐसे श्रमिकों को शेल्टर होम में रखा जाएगा और उसके बाद उनके गृह राज्य भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यक चीजवस्तुओं की बिक्री के लिए भी सामाजिक दूरी के नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं, इस पर कड़ी नजर रखी जा रही है। झा ने लोगों से अपील की है कि वह सोशल डिस्टेसिंग का पालन करें और बगैर मास्क लगाए घरों से नहीं निकले। खासकर रेड जोन और कंटेनमेंट एरिया में खास ऐहतियात बरतने की जरूरत है। इन इलाकों में पहले की भांति कड़ी निगरानी जारी रहेगी। लॉकडाउन के विकट दौर में सेवारत पुलिस जवानों का उल्लेख करते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पुलिसकर्मी तनावमुक्त रहें, इसकी व्यवस्था की गई है। कई पुलिसकर्मी कोरोना से मुक्त होकर वापस अपनी ड्यूटी पर लौट आए हैं। आज 10 पुलिसकर्मी कोरोना से स्वस्थ हुए हैं।

राज्य में गरीब व मध्यम वर्ग के 68 परिवारों का अनाज वितरण 17 मई से

अहमदाबाद। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते समूचा देश लॉकडाउन है और इस विकट समय में गरीब परिवारों की हालत काफी दयनीय हो गई है। राज्य के ऐसे करीब 68.80 लाख परिवारों को लगातार दूसरी बार मई महीना 17 मई से मुफ्त अनाज वितरण किया जाएगाद्य मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद शहर को छोड़ राज्यभर में 17 मई से 26 मई तक अनाज वितरण जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत समाविष्ट 66 लाख कार्डधारक परिवारों और ऐसे 3.80 अंत्योदय परिवार जो एनएफएसए में पंजीकृत नहीं है उनके समेत 68.80 लाख परिवार यानी करीब 3.66 करोड़ लोगों को गेहूं, चावल, दाल, चीनी और नमक मुफ्त वितरित किया जाएगा ।इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण खाद्य योजना पैकेज के तहत इन परिवारों को भारत सरकार की ओर से मई महीने के लिए प्रति व्यक्ति अतिरिक्त 3.50 किलोग्राम गेहूं और 1.50 किलोग्राम चावल भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 मई से 26 मई के दौरान अहमदाबाद शहर को छोड़ राज्य के अन्य जिलों में मास्क और सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का पालन करते हुए सरकार मान्य सस्ते अनाज की दुकान से अनाज का वितरण किया जाएगा। सुचारु ढंग से अनाज वितरण के उद्देश्य से एनएफएसए राशन कार्ड धारकों के कार्ड नंबर के अंतिम अंकों के मुताबिक वितरण का दिन तय किया गया है। जिसके मुताबिक जिनका कार्ड का अंतिम अंक 1 है, उन्हें 17 मई को, 2 अंक वालों को 18, 3 अंक वालों को 19, 4 अंक वालों को 20 मई, 5 अंक वालों को 21 मई को 6 अंक वालों को 7 मई, 8 अंक वालों को 24 मई, 9 अंक वालों को 25 और शून्य अंक वालों को 26 मई को अनाज मिलेगा। निर्धारित दिनों के दौरान किसी कारण अनाज प्राप्त करने में असमर्थ लोगों को 27 मई को अनाज वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनाज वितरण के तहत गुजरात सरकार और भारत सरकार मिलकर 24 लाख क्विंटल गेहूं, 10 लाख क्विंटल चावल, 90 हजार क्विंटल चीनी, 77 हजार क्विंटल नमक और 68 हजार क्विंटल चने का सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकानों से निःशुल्क उपलब्ध करवाएगी। अश्विनी कुमार ने बताया कि अहमदाबाद की स्थिति को देखते हुए शहर के एपीएल कार्डधारकों को आगामी 18 मई से 23 मई के दौरान निःशुल्क अनाज वितरण किया जाएगा। अहमदाबाद के एपीएल–1 कार्डधारक परिवार को प्रति परिवार 10 किलो गेहूं, 3 किलो चावल, 1 किलो चीनी और 1 किलो चने की दाल दी जाएगी।

सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं : भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा

अहमदाबाद । गुजरात के शिक्षा एवं कानून मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने अपना निर्वाचन रद्द किए जाने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने ट्वीट कर लिखा ''सत्यमेव जयते''। इस स्लोगन के साथ चूडास्मा ने उनके साथ खड़े रहने के लिए मुख्यमंत्री विजय रूपाण और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी के प्रति आभार व्यक्त किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चूडास्मा ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकताद्य वह अपने पद से त्याग पत्र देने को तैयार थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कहने पर इस्तीफा नहीं दिया। गौरतलब है कि 2017 में हुए गुजरात विधानसभा के चुनाव में भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा अहमदाबाद जिले की धोलका सीट से 327 वोटों से विजेता घोषित किए गए थे। कांग्रेस उम्मीदवार अश्विन राठौड़ ने मतगणना में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए इलेक्शन पिटिशन फाइल की थी। अश्विन राठौड़ का आरोप था कि ईवीएम से पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होनी चाहिएद्य लेकिन 429 पोस्टल बैलेट रद्द कर दिए जाने से चूडास्मा की जीत हुई। जबकि पोस्टल बैलेट उनके पक्ष में थे। गुजरात हाईकोर्ट ने

इस मामले की सुनवाई करते हुए गत मंगलवार को भूपेन्द. सिंह चूडास्मा का निर्वाचन रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को चूडास्मा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती थी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी और अगली सुनवाई 4 सप्ताह बाद मुकर्रर की।

दाहोद भाजपा युवा मोर्चा का नेता विवाहित प्रेमिका के साथ पकड़ा गया

दाहोद भाजपा युवा मोर्चा का महासचिव बादल पंचाल अपनी विवाहित प्रेमिका के साथ रंगरेलियां मनाते हुए धर लिया गया। दाहोद पुलिस ने बादल पंचाल को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक दाहोद शहर भाजपा युवा मोर्चा के महासचिव बादल पंचाल के एक विवाहित

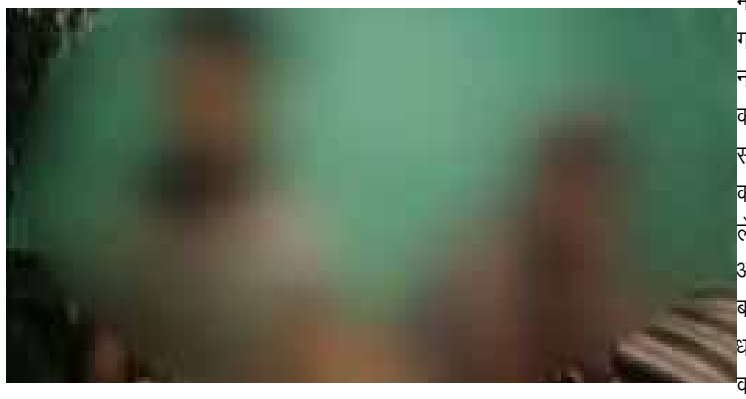

महिला के साथ नाजायज संबंध थे। इसकी भनक विवाहिता के पति को थी, लेकिन वह कौन था इसकी उसे जानकारी नहीं थी। विवाहिता का पति जब कभी अपनी दुकान पर जाता, बादल पंचाल उसके घर पहुंच जाता। गुरुवार को विवाहिता ने पति जिद कर उसे दुकान भेज दिया। पत्नी की हठ से पति को संदेह हुआ। हांलाकि वह घर से निकला, लेकिन एपार्टमेंट के चौकीदार से कह गया कि यदि कोई अंजान व्यक्ति उसके घर आता है तो वह तुरंत उसे जानकारी दे। घर से निकलकर पति अपनी दुकान पर पहुंचा था कि चौकीदार का फोन आ गया कि उसके घर कोई कार में आया है। पति ने चौकीदार से कहा कि घर के दरवाजे को बाहर से लॉक कर दे। चौकीदार ने दरवाजा लॉक कर दिया। कुछ देर में पति घर पहुंच गया और अपने नाते–रिश्तेदारों को बुलाने के साथ ही पुलिस को खबर दे दी। लेकिन पुलिस के आने से पहले बादल पंचाल उसे धमकाता रह कि वह उसे जानता नहीं है। दरवाजा नहीं खोलने पर बादल ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। कुछ ही देर में पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और घर का ताला खुलवा कर बादल पंचाल को गिरफ्तार कर लिया विवाहित महिला के पति की शिकायत के आध ार पर दाहोद पुलिस ने बादल पंचाल के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

रेस्टोरेन्ट का ताला तोड़ा, खाना बनाया और फिर चलते बने

रेस्टोरेन्ट से एक भी आइटम चोरी नहीं किया

राजकोट । भूख का दर्द भी कट्टर नैतिक विश्वास और आत्म गरिमा को जगा सकता है। यह तब सामने आया जब जूनागढ़ शहर में लगभग पांच बेरोजगार, भूख से परेशान कुछ लोगों के ग्रुप ने 12 और 13 मई की रात को एक रेस्टोरेन्ट का दरवाजा तोड़ दिया और किचन में जाकर चावल और आलू की सब्जी पकाने के बाद वे बाहर निकल गए और वहां से एक भी आइटम चोरी नहीं किया। दरअसल वैभव चौक में गजानंद परोठा हाउस के मालिक जितेश टैंक के मुताबिक कम से कम पांच लोग छत से किचन में घुस गए। सीसीटीवी फुटेज में एक आदमी किचन में घुसता हुआ दिख रहा है, कुछ खोज रहा है। बाद में उसने सीसीटीवी को नोटिस किया और बाद में उसे कवर कर दिया। हालांकि रेस्तरां के मालिक ने ब्रेक–इन के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं करने का फैसला किया क्योंकि उसकी जगह से कुछ भी चोरी नहीं हुआ था। जितेश टैंक ने कहा कि 13 मई की सुबह उन्हें अपने रेस्टोरेन्ट के पास एक कार्यालय के मालिक का फोन आया कि रेस्टोरेंट के किचन का दरवाजा खुला है। किचन में जाकर जब मैने देखा कि वहां पांच इस्तेमाल की गई प्लेटें पड़ी थीं। खाना तैयार करने के लिए कुछ किचन के बर्तनों का भी इस्तेमाल किया गया था। मालिक द्वारा सोशल मीडिया पर अनोखे ब्रेक–इन फुटेज अपलोड किए जाने के बाद, पुलिस को चोरी के बारे में पता चला।

नई दिल्ली से विशेष ट्रेनों की पहली सेवाओं में मुंबई सेंट्रल और साबरमती पहुंचे यात्री

पश्चिम रेलवे और राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा उपायों के साथ यात्रियों का किया गया स्वागत

340 नए केसों के साथ गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 10000 के करीब

–24 घंटों में अहमदाबाद में 14, सूरत में 3 समेत 20 मरीजों की मौत, 262 ठीक हुए

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 340 नए केस सामने आए हैं। जिसमें इकलौते अहमदाबाद में 261 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। 24 घंटों के दौरान राज्य में 20 मरीजों की मौत हो गई और 282 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना पॉजिटिव के 340 केस दर्ज हुए हैं। जिसमें अहमदाबाद में 261, वडोदरा में 15, सूरत में 32, राजकोट में 12, गांधीनगर में 11, साबरकांठा में 2, पाटन, गिर सोमनाथ, खेडा, जामनगर, अरवल्ली, महीसागर और सुरेन्द्रनगर जिले में 1–1 केस समेत 340 मामले शामिल हैं। 340 नए केसों के साथ राज्यभर में कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या 9932 पर पहुंच गई है। जिसमें 5248 मरीजों की हालत स्थिर है और 43 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 606 मरीजों की मौत हो चुकी है और 4035 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 14, सूरत में 3, पंचमहल, आणंद और मेहसाणा में 1–1 समेत कुल 20 मरीजों की मौत हुई है। जबकि 282 मरीज ठीक हुए हैंद्य जिसमें अहमदाबाद के 135, सूरत के 60, अरवल्ली के 19, भावनगर के 23, बोटाद के 12, पंचमहल के 11, बनासकांठा और वडोदरा के 8–8, मेहसाणा के 3, गांधीनगर, जामनगर और खेडा के 1–1 समेत 282 लोग शामिल हैं। राज्य में अब तक 127859 टेस्ट किए गए, जिसमें 117927 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव और 9932 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। राज्यभर में 267787 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 257477 होम कोरन्टाइन, 9616 सरकारी कोरन्टाइन और 694 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि अहमदाबाद कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 7000 को पार कर गई है। पिछले 24 घंटों में 261 नए केसों के साथ अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 7171 पर पहुंच गया है। वडोदरा में 620, सूरत में 1015, राजकोट में 78, भावनगर में 103, आणंद में 82, भरूच में 32, गांधीनगर में 157, पाटन में 35, पंचमहाल में 68, बनासकांठा में 83, नर्मदा में 13, छोटा उदेपुर में 21, कच्छ में 14, महेसाना में 73, बोटाज में 56, पोरबंदर में 4, दाहोद में 20, गीर सोमनाथ में 23, खेडा में 34, जामनगर में 34, मोरबी में 2, साबरकांठा में 29, अरवल्ली में 77, महीसागर में 48, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 4, देवभूमी द्वारका में12, जूनागढ में 4, अमरेली में 1 और अन्य राज्य 1 समेत 9932 पोजिटिव केस दर्ज हो चुके है।

श्रमिक ट्रेन सुविधा या परेशानी ?

क्या 240 रूपया एक टिकट के हिसाब से एक गाड़ी में कुल 1600 लोग जाते हैं (240'1600=384000रूपया किसकी जेब में जा रहा हैं ? एक दिन में अगर मना जाये तो कुल लगभर 9 ट्रेन जा रही हैं (384000'9=3456000) किस ओर जा रहा है यह मजदूरों की असुविधा और सेवा करने वाले के लिये सुविधा बन गया हैं ?

सुरत में लोक डाउन होने से अनेक मजदूरों की रोजगार धंधा बंद होने से बेराजगारी होने से न ही खाने की व्यवस्था और न ही अपने गाँव जाने की सुविधा ने होने से परेशान कुछ लोगों ने हंगामा अलग–अगल क्षेत्रों में किया था लेकिन इस हंगामा होने का सब जगह पर एक ही कारण सामने आया मजदूर की सहन–शीलता का लोग फायदा उठा रहे हैं? सुविधा के नाम पर लोगों का शोषण और शोषित हो रहे हैं?

इस तरह की एक घटना सामने आया की सुरत पंदेसरा में कुछ दिनों पहले ही मजदूर चलते जाने की हट में पुलिस और पब्लिक के बीच तनावपूर्ण माहोल हो गया था. लेकिन पुलिस प्रशासन इस घटना के कारणों को जना और खाने की व्यवस्था कर दिया.

लेकिन गाँव जाने के लिये कोई सुविधा न होने से लोगों के पास से अपने राज्य जाने का आवेदन भरने को कहा गया. लेकिन इस समय का फायदा कुछ समाज के सेवक बन कर आये लोगों के पास 800 रूपया लेकर फॉर्म भरे. फॉर्म भरते समय यह भी कहा गया की जो टिकट का प्रिंट आयेगा उस के बाद की रकम वापस मिल जायेगा लेकिन 10 से 15 दिनों बाद जब टिकट दिया गया तो कोई भी रकम वापस नही दिया जा रहा हैं तरह से लोगों की फरियाद सामने आया.जिसकी जाँच करने पर पता चला की टिकट पर प्रिंट 560 होने के बावजूद लोगों के पास से कम से कम 800 रूपया वसूला गया हैं फिर उसके बाद में 10से 15 दिन बाद टिकट दिया गया. क्या 240 रूपया एक टिकट के हिसाब से एक गाड़ी में कुल 1600 लोग जाते हैं (240'1600=384000रूपया किसकी जेब में जा रहा हैं एक दिन में अगर मना जाये तो कुल लगभर 9 ट्रेन जा रही हैं (384000'9=3456000) किस ओर जा रहा है यह मजदूरों की असुविधा और सेवा करने वाले के लिये सुविधा बन गया हैं ?

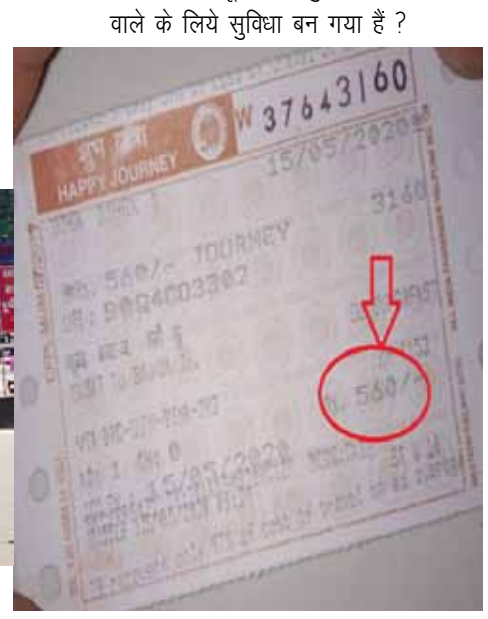

मजदूर हैं मजबूर हैं इस गर्मी में तपती धुप में खड़े अपने परिवार के साथ गाँव जाने को इस तरह से मजबूर हैं ?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)